दैनिक
न्याय साक्षी

छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

रायगढ़, सोमवार 19 अगस्त 2024

www.nyaysakshi.com

महत्वपूर्ण एवं खास

छत्तीसगढ़ में अब तक 793.4 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

रायपुर (आरएनएस)। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2024 से अब तक राज्य में 793.4 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून 2024 से आज 18 अगस्त सवेरे तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1720.6 मिमी और सरगुजा जिले में सबसे कम 436.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है। राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सूरजपुर जिले में 772.5 मिमी, बलरामपुर में 1141.4 मिमी, जशपुर में 625.0 मिमी, कोरिया में 781.6 मिमी, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 795.9 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी।

पार्टी जिसे टिकट देगी उसका सहयोग करूंगा-बृजमोहन अग्रवाल

रायपुर (आरएनएस)। भाजपा के वरिष्ठ नेता बृजमोहन अग्रवाल के सांसद बनने के बाद रायपुर दक्षिण विधानसभा की सीट खाली हो गई है. इस सीट पर उपचुनाव होना है, लेकिन अभी तारीख का ऐलान नहीं हुआ है. रायपुर दक्षिण उपचुनाव को लेकर बृजमोहन अग्रवाल ने कहा, कांग्रेस को क्चछवक्क के प्रत्याशी का समर्थन कर देना चाहिए. जमानत जब्त कराने के लिए चुनाव लडऩे से कोई लाभ नहीं है. बृजमोहन अग्रवाल किसके साथ इस सवाल पर उन्होंने कहा, क्चछवक्क जिसे टिकट देगी उसका सहयोग करूंगा. कांग्रेस में उठापटक पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा, अब तक तो लगता था प्रदेश में चार-पांच कांग्रेस है. भूपेश बघेल, टीएस सिंहदेव, मोहन मरकाम की कांग्रेस थी. अमितेश शुक्ल, अमरजीत भगत भी जागृत हो गए हैं. चरणदास महंत की एक अलग कांग्रेस चल रही है. पता नहीं प्रदेश में कितनी कांग्रेस चल रही है. सब मिलकर भी कुछ अच्छा नहीं कर पाएंगे. इनसे सिर्फ प्रदेश को नुकसान ही होगा, लाभ नहीं होगा।

गरियाबंद में 21 को होने वाले दिव्यांगजन चिकित्सा शिविर स्थगित

गरियाबंद (आरएनएस)। गरियाबंद में 21 अगस्त को होने वाले दिव्यांगजन चिकित्सा परीक्षण एवं मेडिकल प्रमाण पत्र शिविर को अपरिहार्य कारणों से स्थगित किया गया है। उप संचालक समाज कल्याण विभाग ने बताया कि जिला चिकित्सालय गरियाबंद में दिव्यांगजनों का चिकित्सा परीक्षण, मेडिकल प्रमाण पत्र तथा यूनिक आईडी बनाने हेतु 21 अगस्त को शिविर का आयोजन किया गया था। जिसे स्थगित किया गया है। शिविर की आगामी तिथि पृथक से निर्धारित कर सर्व संबंधितों को सूचित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री विशाल कांवड़ यात्रा कार्यक्रम में हुए शामिल

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज गुढियारी स्थित मारुती मंगलम भवन में आयोजित विशाल कांवड़ यात्रा कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उनके साथ छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष रमन सिंह एवं विधायक राजेश मूणत भी साथ में उपस्थित थे। मुख्यमंत्री साय ने उपस्थित श्रद्धालुओं और कांवडिय़ों से कहा कि सावन मास में ही मुझे बाबा भोरमदेव के दर्शन करने का अवसर मिला। यह मंत्र मुग्ध कर देने वाला अवसर था। हमने कांवडिय़ों पर हेलीकाप्टर से पुष्प वर्षा की। पूरे यात्रा मार्ग में कांवडिय़ों का उत्साह छलक रहा था। मुख्यमंत्री ने भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना कर प्रदेश वासियों की मनोकामना पूरी होने और सुख समृद्धि की कामना करते हुए सभी को कांवड़ यात्रा की शुभकामनाएं दीं।

पैराटैक्सोनॉमी एवं बायोडायवर्सिटी संरक्षण ट्रेनिंग कोर्स का सफलतापूर्वक समापन : बच्चों ने जाना जैव विविधता संरक्षण का महत्व

रायपुर

जैवविविधता से समृद्ध छत्तीसगढ़ राज्य में पाए जाने वाले जीव-जंतु एवं पौध, वनस्पति की प्रजातियों की पहचान करना, उनके औषधीय उपयोग एवं आर्थिक महत्व को जानने के उद्देश्य से पैराटैक्सोनामी एवं जैवविविधता संरक्षण के लिए आयोजित 30 दिवसीय कोर्स का समापन गत दिवस 17 अगस्त को हुआ। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मंशानुरूप वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप के दिशा निर्देशन में छत्तीसगढ राज्य जैवविविधता बोर्ड एवं राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में बॉटनिकल सर्वे ऑफ इंडिया (BSI) कोलकाता के सहयोग से संपन्न कराया गया।

प्रशिक्षण में बॉटनिकल सर्वे ऑफ इंडिया के विशेषज्ञ प्रशिक्षकों के द्वारा राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के कैम्पस में दिया गया। यह प्रशिक्षण कांकेर, कोंडागांव, केशकाल, पूर्व भानुप्रतापपुर, पश्चिम भानुप्रतापपुर एवं नारायणपुर वनमंडलों के अंतर्गत गठित बी.एम.सी. के तहत आने वाले जीवविज्ञान में स्नातक/ 12वी. पास छात्र/छात्राओं को चयनित कर दिया गया। प्रशिक्षण में उक्त वनमंडलों से 40 तथा बी.एस.आई. से आए 13 प्रशिक्षणार्थियों कुल 53 प्रशिक्षणार्थी के द्वारा कोर्स में सहभागिता की गई। प्रशिक्षण का मुख्य बिंदु उनके क्षेत्र में पाए जाने वाले जीव जंतु एवं पौध, वनस्पति प्रजातियों की पहचान करना, उनके औषधीय उपयोग को जानना, उनके उत्पादन की मात्रा को जानना था। प्रशिक्षण के दौरान छात्र-छात्राओं को जंगल सफारी, मोहरेंगा, सिरपुर, अर्जुनी, बारनवापारा आदि स्थलों का भ्रमण कराते हुए समृद्ध पौध प्रजातियों के पहचान, उनकी उपयोगिता एवं आर्थिक महत्व की जानकारी दी गई। इस दौरान प्रशिक्षणार्थियों के द्वारा राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के कैम्पस एवं अन्य स्थानों पर 93 फंगस की प्रजातियां, फ्लोरा की 153 प्रजातियां, औषधीय पौधों की 47 प्रजातियां एवं बीज की 187 प्रजातियों को चिन्हित कर सूचीबद्ध किया गया।

प्रशिक्षण में छात्र-छात्राओं के द्वारा पौधों की पहचान करना, उनकी औषधीय उपयोगिता को जानना, हरबेरियम तैयार करने के तरीके तथा संरक्षण के तौर तरीकों से अवगत हुए। इस प्रशिक्षण से छात्र/छात्राओं के पौध प्रजातियों के देखने के नजरिए में परिवर्तन हुआ तथा वे इनके संरक्षण की दिशा में कार्य करने को तत्पर हुए हैं। इन युवाओं के द्वारा अपने ग्राम पंचायत एवं आस-पास के ग्राम पंचायतों में इस जानकारी एवं ज्ञान का प्रचार-प्रसार करने की सहमति व इच्छा जाहिर की गई। बी.एस.आई. से आए प्रशिक्षणार्थियों के द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के लगभग 1500 औषधीय पौधों की जानकारी प्राप्त की गई।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख व्ही.श्रीनिवास राव,वैज्ञानिक, बॉटनिकल सर्वे ऑफ इंडिया डॉ. एस.एस. दास उपस्थित थे।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक राव ने कहा कि वन विभाग एवं छत्तीसगढ़ राज्य जैवविविधता बोर्ड द्वारा पहली बार इस कोर्स का आयोजन किया गया है तथा पौधों की उपयोगिता एवं आर्थिक महत्व को जानने से ही इन पौधों के महत्व का पता चलता है। इस पैराटैक्सोनामी कोर्स के प्रशिक्षण उपरांत छात्र/छात्राओं को इसे पर्यटन (होमस्टे, नेचर ट्रेल, जंगल गाईड) से जोड़ने तथा इन युवाओं का उपयोग बी.एम.सी. ट्रेनिंग, पी.बी.आर. के अपग्रेडेशन कार्य में उपयोग किए जाने का सुझाव भी दिया गया। राव द्वारा प्रशिक्षण उपरांत 4-5 ग्रामों के बीच एक प्रशिक्षित युवा को रखकर विभागीय कार्यों के साथ समन्वय किये जाने का भी सुझाव दिया गया। साथ ही भविष्य में पुनः इस पैराटैक्सोनामी कोर्स का आयोजन बस्तर वृत्त एवं सरगुजा वृत्त के छात्र/छात्राओं को प्रदान किए जाने हेतु योजना तैयार करने के निर्देश छत्तीसगढ़ राज्य जैवविविधता बोर्ड को दिए।

उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम छत्तीसगढ़ राज्य जैवविविधता बोर्ड के अध्यक्ष राकेश चतुर्वेदी के कुशल मार्गदर्शन में सफलता पूर्वक संपन्न हुआ।

राज्य स्तरीय अधिकारियों की टीम ने बिलासपुर जिले की 18 मदिरा दुकानों में दबिश देकर की जांच-पड़ताल : आबकारी सचिव आर. शंगीता के निर्देशन में हुई कार्यवाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रबंध संचालक श्याम धावड़े के नेतृत्व में आबकारी विभाग के राज्य मुख्यालय,सीएसएमसीएलएवंसीएसबीसीएल के अधिकारियों की टीम ने बिलासपुर जिले में 18 मदिरा दुकानों में बीते 17 अगस्त को आकस्मिक रूप से दबिश देकर वहां की व्यवस्था का निरीक्षण किया। आबकारी सचिव सह-आयुक्त आर. शंगीता के निर्देशन में जांच पड़ताल की यह कार्रवाई बिलासपुर जिले में मदिरा की दुकानों के संचालन को लेकर शासन स्तर पर विभिन्न माध्यमों से लगातार मिल रही शिकायतों के मद्देनजर की गई है। मदिरा दुकानों की जांच-पड़ताड़ के बाद छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड प्रबंध संचालक श्याम लाल धावड़े ने आबकारी नियंत्रण कक्ष बिलासपुर में जिले के आबकारी अधिकारियों तथा संभागीय उड़नदस्ता बिलासपुर में पदस्थ अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बिलासपुर जिले में मदिरा दुकानों के आकस्मिक जांच-पड़ताल में पायी गई कमियों को दूर करने के संबंध में विभागीय अधिकारियों को सख्त हिदायत दी। बैठक में अधिकारियों को राजस्व लक्ष्य प्राप्ति उपलंभन एवं गुणवत्तापूर्ण आपराधिक प्रकरणों की कायमी को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। गौरतलब है कि सचिव सह-आबकारी आयुक्त आर. शंगीता ने बीते 7 अगस्त को राज्य के सभी जिलों के आबकारी अधिकारियों की बैठक ली थी। बैठक में जिला एवं संभाग के प्रभारी अधिकारियों को जिलों की मदिरा दुकानों के नियमानुसार संचालन एवं विभाग द्वारा निर्धारित राजस्व लक्ष्य की पूर्ति के निर्देश दिए गए थे। उक्त निर्देशों के क्रियान्वयन की समीक्षा में बिलासपुर जिले की प्रगति संतोषजनक नहीं पायी गई। इसके साथ ही बिलासपुर जिले में संचालित मदिरा दुकानों की व्यवस्था को लेकर भी विभिन्न माध्यमों एवं टोल-फ्री नंबर से शासन को लगातार मिल रही थी। इसके चलते आबकारी आयुक्त आर. शंगीता ने छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन लिमिटेड एवं छत्तीसगढ़ स्टेट बेवरेजेस कार्पोरेशन लिमिटेड के प्रबंध संचालक श्यामलाल धावड़े के नेतृत्व में राज्य मुख्यालय में पदस्थ वरिष्ठ आबकारी अधिकारियों, सी.एस.एम.सी.एल. एवं सी.एस.बी.सी.एल. में पदस्थ अधिकारियों की टीम गठित की और बिलासपुर जिले में संचालित मदिरा दुकानों की आकस्मिक जांच के निर्देश दिए थे। आबकारी आयुक्त आर. शंगीता के निर्देश के परिपालन में आबकारी अधिकारियों की टीम ने बिलासपुर जिले की कंपोजिट मदिरा दुकान मोपका, छोटीकोनी, देशी-विदेशी मदिरा दुकान लिंगियाडीह, बिल्हा, सकरी, सिरगिट्टी, चुचुहियापारा, व्यापार विहार एवं यदुनंदन नगर, विदेशी मदिरा दुकान सरकंडा तथा प्रीमियम मदिरा दुकान लिंक रोड तारबहार की आकस्मिक जांच-पड़ताल की। मदिरा दुकानों के निरीक्षण के दौरान प्रभारी अधिकारियों द्वारा दुकानों का नियमित रूप से निरीक्षण न किया जाना, पॉपुलर ब्राण्ड की मदिरा की अनुपलब्धता, प्रतिदिन मदिरा विक्रय की राशि बैंक में जमा किए जाने की रसीद तथा सुरक्षा गार्ड का दुकान में मौजूद न होना, अधिकांश मदिरा दुकानों में अहातों का व्यवस्थापन-संचालन न होना तथा मदिरा दुकान परिसर में साफ-सफाई का अभाव सहित अन्य कमियां पायी गई हैं।

दस माह बाद शुरू हुई उड़ान, पहले दिन ही फूल

रायपुर । आरएनएस

प्रयागराज से छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर का एक बार फिर से सीधा हवाई संपर्क हो गया है। पहले दिन ही यह उड़ान रायपुर से फुल आई। विमान अपने निर्धारित समय से 17 मिनट पहले ही प्रयागराज पहुंच गया।

तकरीबन दस माह के बाद विमान का संचालन 16 अगस्त से एक बार फिर से शुरू हो गया। विमान को दोपहर 1:25 बजे प्रयागराज एयरपोर्ट पर लैंड होना था लेकिन पहले दिन यह दोपहर 1:08 बजे ही पहुंच गया। इसी तरह रायपुर जाने के लिए भी विमान दोपहर 1:50 की जगह 1:43 बजे यहां से उड़ा। पहले दिन 76 यात्रियों का आगमन और 62 का यहां प्रस्थान हुआ।

पिछले वर्ष विंटर शेड्यूल लागू होने के साथ ही प्रयागराज-रायपुर उड़ान इंडिगो द्वारा बंद कर दी गई। 29 अक्तूबर 2023 से विमान सेवा बंद होने के बाद रायपुर जाने वाले यात्रियों को दिक्कत हो रही थी। यात्री सलाहकार समिति की बैठक में भी यह मामला उठाया गया। इसे देखते हुए इंडिगो ने रायपुर उड़ान शुरू करने का एलान पिछले दिनों ही किया था।

उड़ान की समय सारिणी

रायपुर-प्रयागराज - दोपहर 12:00-1:25 बजे

प्रयागराज-रायपुर - दोपहर 1:50-3:20 बजे।

छत्तीसगढ़ में 15 करोड़ के नशे का सामान नष्ट : पुलिस ने जलवाया 15 हजार किलो गांजा, 2 हजार टैबलेट्स, 48 किलो अफीम, 5 जिलों से किया था जब्त

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ पुलिस ने 15 करोड़ के नशे का सामान नष्ट किया है. इसमें करीब 15000 किलो गांजा, 62 हजार टैबलेट्स, इंजेक्शन, 48 किलो अफीम और 400 ग्राम चरस शामिल हैं. इन्हें सिलतरा के निजी पॉवर प्लांट में 1200 डिग्री टेंपरेचर पर जलाया गया है. नशे का ये सामान 5 जिलों रायपुर, महासमुंद, बलौदाबाजार, गरियाबंद और धमतरी में हृष्डक्क्स् एक्ट के तहत जब्त किया गया था. नष्टीकरण के दौरान पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज अमरेश मिश्रा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह एवं पुलिस अधीक्षक धमतरी आंजनेय वैष्णव मौजूद रहे.

नशे के सामानों को नष्ट करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की मंजूरी से उच्च स्तरीय ड्रग्स डिस्पोजल कमेटी बनाई गई थी. रायपुर जिले के 157 मामलों में 2 हजार किलो गांजा, 58 हजार नशीली टैबलेट्स, सिरप, इंजेक्शन, अफीम और 205 ग्राम चरस शामिल था. महासमुंद से सबसे ज्यादा गांजा बलौदाबाजार के 24 मामलों में 1000 किलो गांजा, 960 नशीली टैबलेट्स थे.

महासमुंद के कुल 121 मामलों में 10 हजार किलो गांजा, धमतरी के 36 प्रकरणों में 412 किलो गांजा और 2451 टैबलेट्स थे. इसके अलावा गरियाबंद के 31 मामलों में 1014 किलो गांजा, 253 नशीली टैबलेट्स थे. नशे के सामानों को जलाने के लिए पुलिस ने पर्यावरण विभाग से अनुमति ली थी.

एम्स के डॉक्टर हड़ताल पर ओपीडी भी रहा बंद,मेकाहारा भी ओपीड़ी बंद

रायपुर । आरएनएस

कोलकाता में जूनियर डॉक्टर की हत्या का विरोध लगातार जारी है। घटना के विरोध में रायपुर के आंबेडकर अस्पताल में शनिवार को भी ओपीडी बंद रहेगी। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के आवाहन में छत्तीसगढ़ के डॉक्टरों ने भी 24 घंटे की हड़ताल करने की घोषणा की है।

इससे पहले शुक्रवार को एम्स के डॉक्टरों ने हड़ताल किया। डॉक्टरों के हड़ताल में रहने के कारण ओपीडी प्रभावित हुई। बाहर से इलाज कराने पहुंचे मरीजों को परेशानी हुई। उन्हें बिना इलाज करवाए ही वापस लौटना पड़ा। आपातकालीन सेवाएं जारी रही। यहां पर डॉक्टरों ने मरीजों का इलाज किया।

स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा के लिए उठाएं आवश्यक कदम

फैकल्टी एसोसिएशन के सदस्यों ने कहा कि हम भी पूरे देश के अपने सहयोगियों के साथ एकजुटता में खड़े हैं। इस जघन्य कृत्य की निंदा करते हैं। अधिकारियों से आग्रह करते हैं कि त्वरित कार्रवाई कर न्याय सुनिश्चित करें और स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाएं। एक युवा चिकित्सा पेशेवर पर किया गया यह निर्मम हमला पूरे स्वास्थ्य समुदाय पर हमला है, जो स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा झेली जा रही असुरक्षा को उजागर करता है।

डायरेक्टर लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल (सेवानिवृत्त) ने कहा कि हमें उम्मीद है कि कानून एजेंसियां दोषियों को पकड़ेंगी और दिवंगत आत्मा और उसके परिवार को न्याय दिलाएंगी। एम्स रायपुर के रेजिडेंट्स और फैकल्टी, देशभर के चिकित्सकों के साथ अपनी एकजुटता व्यक्त करते हुए, छत्तीसगढ़ और आसपास के राज्यों के गरीबों का उपचार करते रहेंगे।

जूनियर डॉक्टरों ने निकाली रैली

आंबेडकर अस्पताल के जूनियर डॉक्टरों ने शुक्रवार को हत्या के विरोध में रैली निकाली। रैली में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन रायपुर, जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन, इंडियन डेंटल एसोसिएशन ने कैंडल मार्च निकाली। रैली मेडिकल कॉलेज कैंपस से शुरू होकर तेलीबांधा मरीन ड्राइव चौपाटी तक निकली।

झोलाछाप डॉक्टर ने लगाया इंजेक्शन, युवक की मौत

रायपुर । आरएनएस

रतनपुर के ग्राम खैरा में रहने वाले इस बीमार युवक को घर पहुंचकर झोलाछाप ने दो इंजेक्शन लगाया। इसके कुछ देर बात ही उसकी हालत बिगडऩे लगी। ऐसे में अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। इस घटना के बाद से झोलाछाप फरार हो गया है। इन दिनों लगातार झोलाछाप से इलाज करवाने का खामियाजा लोगों को झेलना पड़ रहा है। लगातार मामले होने के बाद भी स्वास्थ्य विभाग इन पर लगाम लगाने में महज खानापूर्ति कर रही है। ऐसे ही मामला बीते शुक्रवार को हुआ। ग्राम खैरा निवासी 40 वर्षीय श्रीकुमार आर्मो पिछले कुछ दिनों से सर्दी-बुखार से पीड़ित चल रहा था।

तबीयत ठीक नहीं होने पर शुक्रवार को उसके स्वजन ने गांव में अवैध रूप से क्लीनिक संचालन करने वाले झोलाछाप कुमार सिंह राजपूत को फोन कर घर बुलाया। ऐसे में झोलाछाप कुछ देर में घर पहुंचा और श्रीकुमार आर्मो की जांच करने के बाद कहा कि इन्हें दो इंजेक्शन लगाना होगा। इसके बाद वह ठीक हो जाएगा। इसके बाद उसने दो इंजेक्शन लगाया। इसके कुछ देर बाद श्रीकुमार आर्मो को पसीना आने लगा और देखते ही देखते उसकी हालत गंभीर हो चली। स्थिति को समझते हुए स्वजन उसे रतनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाने के लिए निकले, लेकिन बीच रास्ते में ही उसकी मौत। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। जैसे ही मौत हो जाने की जानकारी झोलाछाप को लगी, वैसे ही वह फरार हो गया। इस मामले की जानकारी रतनपुर पुलिस को दी गई है। वहीं पुलिस ने मर्ग कायम करते हुए झोलाछाप की तलाश में जूट गई है। यह झोलाछाप बीते कई सालों से ग्रामीणों का इलाज करते हुए उनके जिंदगी से खिलवाड़ करते आ रहा था। इससे पहले भी कई बार झोलाछाप के खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है, लेकिन हर बार वह कुछ ही दिनों में अपने अवैध क्लीनिक का संचालन करने लगता है। सीएमएचओ डा. प्रभात श्रीवास्तव ने जानकारी दी कि हमें पहले से ही प्रशासन स्तर पर निर्देश मिल चुका है कि जिले के झोलाछापों के अवैध क्लीनिक बंद कराया जाए। ऐसे में झोलाछापों की फिर से सूची तैयार कर ली गई है। आने वाले दिनों में इनके खिलाफ तबाड़तोड़ कार्रवाई करते हुए इनके अवैध क्लीनक बंद कराया जाएगा।

पंचायत सचिव के माध्यम से प्राप्त आवेदन का निराकरण जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में होगा

सारंगढ़ बिलाईगढ़

कलेक्टर धर्मेश साहू के निर्देशन में बिलाईगढ़ ब्लॉक के ग्राम सलिहा में 22 अगस्त 2024 को जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किया जायेगा। इसके लिए कलेक्टर धर्मेश साहू ने कहा है कि सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के नागरिक अपने आवेदन पत्र पंचायत सचिव के पास जमा करें। पंचायत सचिव के माध्यम से प्राप्त आवेदन का निराकरण जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में होगा। यह शिविर हर 15 दिन में आयोजित निश्चित किया गया है। आगामी दिनों में 12 सितंबर को सारंगढ़ ब्लॉक के ग्राम डोमाडीह ब में, 26 सितंबर को बिलाईगढ़ ब्लॉक के ग्राम गाताडीह में और बरमकेला ब्लॉक के ग्राम बोंदा में 10 अक्टूबर 2024 को जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर होगा। शिविर सुबह 10.30 बजे शुरू होगा, जिसमें जिला व ब्लॉक स्तरीय तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहेंगे। आवेदकों से आवेदन पत्र 10.30 से अपरान्ह 3 बजे तक लिया जाएगा, जिसका निराकरण तत्काल शाम 4 बजे तक किया जाएगा। शाम 4 बजे से सामग्री वितरण का कार्य किया जाएगा।

शिविर में विभागवार कार्य एवं आवेदन- जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में राजस्व विभाग द्वारा नामांकन, बटवारा, सीमांकन, आय, जाति, निवास प्रमाण, नक्शा बटांकन, डिजिटल हस्ताक्षर, आरबीसी 6-4 के अधीन जन हानि, पशु हानि, मकान क्षति हेतु आर्थिक सहायता राशि, खसरा, बी1 में त्रुटि सुधार, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा मनरेगा निर्माण कार्य, प्रधानमंत्री आवास योजना की मांग, शौचालय की राशि की मांग, सामुदायिक शौचालय की मांग, स्वच्छता समूह हेतु मांग, बैंक ऋण हेतु मांग, आरएफ, सीआईएफ की मांग, एसएचजी शेड, जॉब कार्ड, समाज कल्याण विभाग द्वारा पेंशन की मांग एवं संबंधित शिकायत, उपकरण की मांग, निःशक्तजन प्रमाण पत्र के आवेदन लिए जाएंगे। खाद्य विभाग द्वारा नये राशन कार्ड की माग, राशन कार्ड में नाम जोड़ना, स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयुष्मान कार्ड पंजीयन, कृषि विभाग द्वारा केसीसी लोन, प्रधानमंत्री किसान प्रोत्साहन योजना, खाद्य व बीज की मांग, कृषि संयंत्र की मांग, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा महतारी वंदन राशि की मांग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा बोरिंग सुधारने हेतु आवेदन, जल जीवन मिशन के संबंध में मांग और शिकायत, पाईप लाईन विस्तार हेतु मांग, मत्स्य विभाग द्वारा मत्स्य पालन हेतु पट्टा प्रदाय हेतु, जाल की मांग, मत्स्य बीज की मांग, रोजगार विभाग द्वारा रोजगार पंजीयन, उद्योग विभाग द्वारा प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना हेतु ऋण प्रदान, लीड बैंक एसबीआई द्वारा बैंक ऋण, नये बैंक खाता खोलने, मुद्रा लोन, बैंकिंग सबंधी शिकायत केसीसी, श्रम विभाग द्वारा श्रमिक पंजीयन एवं लाभ हेतु आवेदन पंजीकृत श्रमिकों को राशन कार्ड, अन्त्यावसायी विमाग द्वारा विभागीय लोन एवं सब्सिडी हेतु आवेदन, उद्यानिकी विभाग मिनी किट वितरण, पशुपालन विभाग द्वारा पशुओं का टीकाकरण, के.सी.सी. लोन, चूजे एवं अन्य पशुओं की मांग, सहित आदि के लिए आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि बरमकेला ब्लॉक के गांव डोंगरीपाली और सारंगढ़ ब्लॉक के गांव अमलडीहा के बाद यह तीसरा शिविर आयोजित किया जाएगा।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती एकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी राकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तो का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवे पर्यावारण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ प्रदेश मे महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक रीति के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित कराएगा।

पढिए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address :: Behind Stadium Near Career School, Raigarh, C.G. Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU